Maharshi Dayanand University Rohtak

December 23 at 5:08 PM ·

रोहतक, 23 दिसंबर। कार्यालयी कामकाज में उत्कृष्टता के लिए प्रभावी संचार कौशल विकसित करना जरूरी है। किसी भी कार्यस्थल पर अनुकूल माहौल बनाने में कम्युनिकेशन स्किल सबसे महत्त्वपूर्ण स्किल है। यह उद्गार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी विभाग के प्रोफेसर तथा संचार कौशल विशेषज्ञ प्रो. रणदीप सिंह राणा ने आज आईएचटीएम कांफ्रेंस हॉल में एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज द्वारा -कम्युनिकेशन स्किल एट वर्कप्लेस विषय पर आयोजित ट्रेनिंग सत्र में गैर शिक्षक कर्मियों से मुखातिब होते हुए व्यक्त किए।

अपने प्रभावशाली संबोधन में प्रो. रणदीप सिंह राणा ने जीवन में संचार कौशल की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. राणा ने कहा कि संचार कौशल की ना केवल हमारे दैनिक व्यक्तिगत जीवन में जरूरत है, अपितु पेशेवर जीवन में भी इसकी बहुत आवश्यकता है। उन्होंने प्रभावी संचार के महत्त्वपूर्ण टिप्स विवि कर्मियों के साथ सांझा किए। प्रो. राणा ने मौखिक एवं अमौखिक संचार के महत्त्व को रेखांकित करते हुए श्रवण कौशल, लेखन कौशल, वाक कौशल, प्रस्तुतिकरण कौशल तथा कार्य स्थल कौशल बारे भी विस्तार से जानकारी दी।

एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज के कोआर्डिनेटर डा. अनार सिंह ढुल ने प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए ट्रेनिंग कार्यक्रम की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने अपने संदेश में कहा कि यह ट्रेनिंग कार्यक्रम विवि कर्मियों के पेशेवर जीवन में संचार और पारस्परिक कौशल के महत्त्व की समझ लाने के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विवि की कार्य प्रणाली को विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। आईएचटीएम निदेशक प्रो. संदीप मलिक, पीआरओ पंकज नैन समेत विभिन्न कार्यालयों के प्रभारी, अधिकारी, कार्यालयों एवं विभागों के कर्मी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

पंजाब केसरी
abkesari.in
SATURDAY, 24 दिसम्बर 2022
रोहतक केसरी

कार्यस्थल पर अनुकूल माहौल बनाने के लिए कम्यूनिकेशन स्किल महत्वपूर्ण : प्रो. राणा

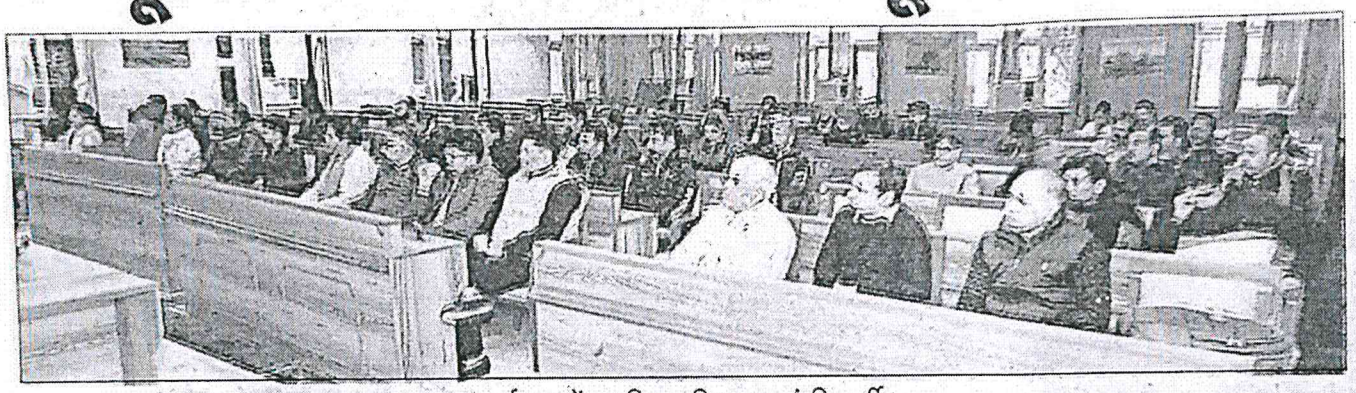

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

रोहतक, 23 दिसम्बर (पंकेस) : कार्यालयी कामकाज में उत्कृष्टता के लिए प्रभावी संचार कौशल विकसित करना जरूरी है। किसी भी कार्यस्थल पर अनुकूल माहौल बनाने में कम्युनिकेशन स्किल सबसे महत्वपूर्ण स्किल है।

यह उद्‌गार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी विभाग के प्रोफैसर तथा संचार कौशल विशेषज्ञ प्रो. रणदीप सिंह राणा ने शुक्रवार को आई.एच.टी.एम. कांफ्रैंस हॉल में एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज द्वारा कम्युनिकेशन स्किल एट वर्कप्लेस विषय पर आयोजित ट्रेनिंग सत्र में गैर-शिक्षक कर्मियों से मुखातिब होते हुए व्यक्त किए।

प्रो. राणा।

उन्होंने जीवन में संचार कौशल की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. राणा ने कहा कि संचार कौशल की ना केवल हमारे दैनिक व्यक्तिगत जीवन में जरूरत है, अपितु पेशेवर जीवन में भी इसकी बहुत आवश्यकता है।

उन्होंने प्रभावी संचार के महत्वपूर्ण टिप्स विवि कर्मियों के साथ सांझा किए। प्रो. राणा ने मौखिक एवं अमौखिक संचार के महत्त्व को रेखांकित करते हुए श्रवण कौशल, लेखन कौशल, वाक कौशल, प्रस्तुतिकरण कौशल तथा कार्य स्थल कौशल बारे भी विस्तार से जानकारी दी।

एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज के कोआर्डिनेटर डा. अनार सिंह ढुल ने प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए ट्रेनिंग कार्यक्रम की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कहा कि यह ट्रेनिंग कार्यक्रम विवि कर्मियों के पेशेवर जीवन में संचार और पारस्परिक कौशल के महत्त्व की समझ लाने के लिए आयोजित किया गया था।

उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विवि की कार्य प्रणाली को विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। आई.एच.टी.एम. निदेशक प्रो. संदीप मलिक, पी.आर.ओ. पंकज नैन समेत कार्यालयों के प्रभारी, अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रभावी संचार कौशल विकसित करना बेहद जरूरी : प्रो. रणदीप

रोहतक : कामकाज में उत्कृष्टता के लिए प्रभावी संचार कौशल विकसित करना जरूरी है। किसी भी कार्यस्थल पर अनुकूल माहौल बनाने में कम्युनिकेशन स्किल सबसे महत्त्वपूर्ण है। यह बात महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी विभाग के प्रोफेसर तथा संचार कौशल विशेषज्ञ प्रो. रणदीप सिंह राणा ने शुक्रवार को आइएचटीएम में आयोजित ट्रेनिंग सत्र के दौरान कहीं। जो एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज द्वारा कम्युनिकेशन स्किल एट वर्कप्लेस विषय पर आयोजित ट्रेनिंग सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संचार कौशल की ना केवल हमारे दैनिक व्यक्तिगत जीवन में जरूरत है, बल्कि पेशेवर जीवन में भी इसकी बहुत आवश्यकता है। एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज के को-आर्डिनेटर डा. अनार सिंह ढुल ट्रेनिंग कार्यक्रम की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कहा कि यह ट्रेनिंग कार्यक्रम विवि कर्मियों के पेशेवर जीवन में संचार और पारस्परिक कौशल के महत्त्व की समझ लाने के लिए आयोजित किया गया था। (जासं)